20/02/2026

आकाशवाणी ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश आज अपना चालीसवां राज्य स्थापना दिवस का आयोजन कर रहा है। बीस फरवरी, उन्नीस सौ सत्तासी को अरुणाचल भारत का चौबीसवां राज्य बना था। उन्नीस सौ बहत्तर तक इसे नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी यानी नेफ़ा के नाम से जाना जाता रहा। और बीस जनवरी, उन्नीस सौ बहत्तर को इसे केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मिला और इसका नाम बदलकर अरुणाचल प्रदेश कर दिया गया। राज्य स्थापना दिवस का मुख्य समारोह ईटानगर स्थित इंदिरा गांधी पार्क में आयोजित किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल रिटायर्ड के.टी. परनाइक, मुख्यमंत्री पेमा खांदू सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। राज्यपाल ने लोगों से अरुणाचल प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और विरासत के संरक्षण, पर्यावरण की रक्षा, युवाओं और महिलाओं के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने तथा सार्वजनिक जीवन से भ्रष्टाचार और अपारदर्शिता समाप्त करने के लिए प्रतिबद्धता दोहराने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'विकसित अरुणाचल' एक 'विकसित भारत' का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। अरुणाचल प्रदेश के राज्य स्थापना दिवस का आयोजन लोक भवन, जम्मू-कश्मीर में भी आयोजित किया गया।

000000000000000000000000

इसी क्रम में राज्य के अन्य भागों की तरह वेस्ट सियाङ ज़िले के आलो में भी चालीसवाँ राज्य स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर ज़िला उपायुक्त मिंदो लोयी, APCS (AG) ने शिरकत की। अपने संबोधन में अपायुक्त ने अरुणाचल प्रदेश के राज्य बनने की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आलो सहित पूरा वेस्ट सियांग जिला स्वास्थ्य, चिकित्सा तथा सड़क संपर्क सहित सभी क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है। उपायुक्त ने जिले के समग्र विकास के लिए लोगों से सहयोग की अपील करते हुए नशे तथा असामाजिक तत्वों से दूर रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर रंगारंग मेगा डान्स और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

0000000000000000000000000

इस बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने अरुणाचल प्रदेश के लोगों को राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ दीं। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश प्रकृति और संस्कृति के सामंजस्य की सच्ची भावना को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भव्य प्राकृतिक दृश्यावली और असाधारण सांस्कृतिक विविधता से समृद्ध अरुणाचल प्रदेश परंपरा और प्रकृति के बीच सामंजस्य का उज्ज्वल उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि राज्य के ऊर्जावान और परिश्रमी नागरिक राष्ट्र की प्रगति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्य की विविध जनजातीय परंपराएँ देश की सांस्कृतिक समृद्धि को और बढ़ाती हैं।

0000000000000000000000

अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल, लेफ्टिनेंट जनरल रिटायर्ड के.टी. परनाइक ने लोक भवन, ईटानगर में राज्य की शानदार सेवा के लिए स्टेट गोल्ड और सिल्वर मेडल प्रदान किए। स्टेट गोल्ड मेडल 2nd बटालियन, अरुणाचल स्काउट्स के हवलदार और ऑनरेरी नायब सूबेदार रिटायर्ड लेखी पासांग, अरुणाचल प्रदेश पब्लिक सर्विस कमीशन के व्हिसलब्लोअर स्वर्गीय ग्यामार पदाङ एवं महिला पुलिस स्टेशन, पासीघाट को दिया गया। स्टेट सिल्वर मेडल 14 लोगों और दो संगठनों दीपशिखा ट्रस्ट, NGO, नवी मुंबई और माउंटेन ड्वेलर्स, SHG, लिलेंग विलेज, बोलेंग, सियांग डिस्ट्रिक्ट को दिए गए। राज्यपाल ने नगरिक प्रशासन में एक्सीलेंस के लिए चीफ मिनिस्टर अवॉर्ड भी प्रदान किए।

0000000000000000000000

लोङदिङ ज़िला प्रशासन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्यान विभाग, ज़िला स्वास्थ्य सोसाइटी (NHM) और सहभागी संगठन के सहयोग से, आगामी बाइस फरवरी 2026 को लोङ्दिङ ज़िले के पोंगचाउ में एकीकृत

मेगा स्वास्थ्य शिविर के आयोजन की घोषणा की है। पहल का उद्देश्य ज़िले एवं आस-पास के इलाकों के लोगों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करते हुए, चिकित्सा सुविधाओं तक पहुँच सुनिश्चित कर निवारक स्वास्थ्य सेवा के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर ज़िला प्रशासन ने सभी से शिविर में हिस्सा लेने और दी जाने वाली सेवाओं का लाभ उठाने का अह्वान किया।

0000000000000000000000

अष्टलक्ष्मी दर्शन - युवा विनिमय कार्यक्रम के 12वें संस्करण का उद्घाटन दोईमुख स्थित राजीव गांधी विश्वविद्यालय, में किया गया। इस कार्यक्रम में झारखंड और पुडुचेरी से दो फ़ेकाल्टी मेंटॉर और बीस छात्र प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। राजीव गांधी विश्वविद्यालय द्वारा नवंबर 2025 में अष्टलक्ष्मी दर्शन के पहले संस्करण की मेजबानी भी की थी, जिसमें गोवा और उत्तराखंड से चालीस शिक्षार्थियों ने विश्वविद्यालय का दौरा किया। यह कार्यक्रम पूर्वोत्तर परिषद, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा समर्थित एक पहल है, जिसका उद्देश्य देश के विभिन्न क्षेत्रों के छात्रों और शिक्षकों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, युवा सहभागिता और आपसी समझ को मजबूत करना है।

0000000000000000000000

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय आगामी पच्चीस से सत्ताइस फरवरी तक नई दिल्ली में विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन 2026 के साथ राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन के तहत हिम-कनेक्ट का आयोजन करने जा रहा हैं। इस कार्यक्रम में NIT अरुणाचल प्रदेश द्वारा विकसित “Waste-to-Wealth Value Chain Creation through Waste Pruned Tea Residues” प्रमुख नवाचारों में शामिल रहेगा। यह पहल छँटे हुए चाय पौधों के अवशेषों से बायोमास पेलेट आधारित ईंधन और हर्बल उप-उत्पाद तैयार करने को दर्शाती है, जिससे अपशिष्ट प्रबंधन और ग्रामीण ऊर्जा आवश्यकताओं दोनों का समाधान होता है। कार्यक्रम में देश के प्रमुख संस्थानों से चौबीस इनोवेटर्स भाग लेंगे।

0000000000000000000000